05 दिवसीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (FLN)
तथा
01 दिवसीय विद्यालय सुरक्षा (School Safety)

जनपद स्तरीय एम.टी प्रशिक्षण
द्वितीय चक्र
(दिनांक 22 से 27 अगस्त 2023)

प्रशिक्षण आख्या

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,बड़कोट
(उत्तरकाशी)

6 दिवसीय (M.T. प्रशिक्षण)

F.L.N. ,M.T. प्रशिक्षण D.I.E.T. बड़कोट उत्तरकाशी (द्वितीय चक्र)

प्रथम दिवस आख्या दिनांक– 22.08.2023

आज दिनांक 22.8.2023 को डायट बड़कोट में FLN मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण का शुभारंभ डायट प्राचार्य श्री पंकज शर्मा जी के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात सुगमकर्ता संदीप निगम के द्वारा (निपुण प्रेरणा गीत) **अब जाग जरा और खोल नयन कलियों को तू देख ले.....** सभी M.T. के साथ कराया गया और साथ ही निपुण भारत मिशन की प्रतिज्ञा करवाई गई । तत्पश्चात सभी M.T. का सदन में परिचय सत्र करवाया गया तथा प्राचार्य महोदय का प्रेरणादाई संबोधन हुआ ठीक 11:30 प्रातः पर टी ब्रेक हुआ।

तत्पश्चात सुगमकर्ता श्री विनोद राणा जी के द्वारा प्रशिक्षण को प्रभावी रूप से संचालन हेतु प्रशिक्षण के नियम बताए गए साथ ही निगम सर जी के द्वारा निपुण भारत मिशन के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई 6 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण की सार्थकता के सन्दर्भ में निर्देश दिये की प्रशिक्षण की सफलता व सार्थकता तभी मानी जायेगी जब हम सब मिलकर इसको समय व गतिविधियों को जोड़कर एक दूसरे के अनुभवों को शामिल कर रोचक व रुचिकर बनायेगें। इस प्रशिक्षण को आपके द्वारा सफलतापूर्वक पूर्ण करना है। आप लोग समय से आ रहे होगे और समय से जा रहे होगे।

यह 05 दिवसीय बुनियादी साक्षरता व संख्या ज्ञान (FLN) पर होगा व एक दिन विद्यालय सुरक्षा पर। जनपद के प्रत्येक शिक्षक को इस प्रशिक्षण को में प्रतिभाग करना अनिवार्य है।

विद्यालय सुरक्षा वाला प्रशिक्षण उच्च प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों को भी दिया जाना है।

प्रशिक्षण 10 बजे से 5 बजे तक चलेगा। प्रशिक्षण की सार्थकता तब मानी जायेगी जब ग्राउण्ड लेवल पर बच्चों तक इसे पहुँचाया जाय।

व्यवस्थाओं से सम्बन्धी बातचीत में प्रशिक्षण स्थल की साज–सज्जा व बैनर, पोस्टर बैठक व्यवस्था ICT की व्यवस्था व उसके उपयोग व अपने विद्यालय के अनुभवों को शामिल करते हुए सार्थक बनाने होगें।

उसके पश्चात सुगमकर्ता श्री विनोद राणा जी द्वारा Pretest का लिंक online group में भेजा गया। प्रतिभागीयो प्रीटेस्ट ऑन लाइन किया गया।

सभी प्रतिभागियों ने एक दूसरे का परिचय नाम, पद स्थापना, स्थल–मूल निवास स्थान (FLN) में कब से जुडें 4 बिन्दुओं पर दिया। इतने में सभी लोगो ने प्री–टेस्ट पूरा कर लिया। उसके बाद प्रशिक्षण के प्रभावी संचालन के सामान्य नियम समूह द्वारा तय किये गये। जिसमे निम्न बिन्दु निकलकर आये।

- समय का पालन करेगें।
- फोन साइलेंट रखेंगें।

- समय से आयेंगे तथा समय से जायेंगे।
- अनावश्यक चर्चाओं को नहीं करेंगे।
- चर्चा में निकले बिन्दुओं को नोट करेगें और ब्लॉक स्तरीय ट्रैनिंग में बेहतर प्रर्दशन करेगें आदि।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं पूर्व शैक्षिक ढ़ाचा –

सुगमकर्ता संदीप निगम सर जी द्वारा – हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता 2026–27 तक साक्षरता और संख्या ज्ञान को प्राप्त करने का टारगेट रखा है। कार्यक्रम की रूपरेखा स्वरूप और प्रवीणता के लिए बात रखी।

उत्तराखण्ड में बाल वाटिका की शुरूआत 12 जुलाई 2022 को हुई

नई शिक्षा नीति के अनुसार बच्चों की आयु के अनुसार नये व पुराने ढ़ाचें को PPT के माध्यम से समझाया।

पहले शिक्षा 10+2 पर आधारित थी। N.E.P.-2020 में शिक्षा 5+3+3+4 पर आधारित है। उसके बाद उत्तराखण्ड तथा जनपद उत्तरकाशी की NAS की रिपोर्ट के आधार पर राज्य तथा जनपद की शैक्षिक स्थिति को रखते हुए सीखने के प्रतिफलों पर चर्चा की। FLN Base Line Survey के परिणाम परे PPT के माध्यम से प्रस्तुत किया गया तथा उस पर चर्चा की गयी।

दो साल आंगनबाडी, एक साल बालवाटिका तथा कक्षा–1 व कक्षा–2 पांच साल की फाउंडेशन अवस्था है।

N.E.P.–2020 कार्यक्रम की तीसरी वर्षगांठ 29 जुलाई 2023 को मनायी गई, जिसके अन्तर्गत माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा बालवाटिका का जो अवलोकन किया गया उस पर चर्चा की गई तथा मातृ–भाषा में शिक्षण कार्य किये जाने पर विशेष बल दिया गया। उसके बाद निपुण भारत मिश्न का उद्देश्यों के ऊपर विस्तार से चर्चा की गई। जिससे 3 से 9 साल के सभी बच्चे अधिगम कर सके। बच्चे समझ के साथ पढ़ें, उद्देश्य के साथ लिखें तथा संख्यात्मक ज्ञान सीख सकें। निपुण भारत के लक्ष्यों के अन्तर्गत

विकासात्मक लक्ष्य –

बच्चे अच्छा स्वास्थ्य व स्वच्छता बनाये रखें (HW)

बच्चों का संप्रेषण प्रभावी हो। (EC)

बच्चे काम से जुड़े रहने वाले शिक्षार्थी बनें और अपने निकटतम परिवेश से जुड़े रहें। (IL)

निपुण मिशन के लक्ष्य – अकादमिक प्रयास

टी0एल0एम0 को अब एल0टी0एल0 लर्निंग टीचिंग मटीरिअल (अधिगम शिक्षण सामग्री) कहेंगे। आप के विद्यालयों में आरोही पुस्तक जिसे कक्षा–1 में सीधे प्रवेश लेने वाले छात्र के लिये विकसित की गई है। जिसमें तीन माह का पाठ्यक्रम बनाया गया है।

निपुण भारत लक्ष्य के अर्न्तगत बाल वाटिका में अक्षरों और सम्बन्धित ध्वनियों की पहचान कम से कम दो से तीन अक्षरों वाली ध्वनियों को पहचानना।

दस तक के अंको को पहचानना और पढ़ पाना।

वस्तुओं/आकृतियों, घटनाओं को क्रम में व्यवस्थित करना निर्धारित है।

Grade 1- आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ में कम से कम 4–5 सरल शब्दों से युक्त छोटे वाक्य पढ़ता है।

99 तक की संख्याएं पढ़े और लिखे सरल जोड़ और घटाव करें।

Grade 2- उचित गति धारा प्रवाह पठन एवं अर्थ के साथ पढ़े 40 से 60 शब्द प्रति मिनट समझ के साथ पढ़ पाना।

99 से 999 तक की संख्याएं पढ़ना 99 तक संख्याएं घटाना।

Grade 3- 60 शब्द प्रति मिनट समझ के साथ पढ़ पाना।

9999 तक की संख्याएं पढ़े और लिखे तथा सरल गुणन कर पाये।

उसके बाद निपुण भारत अभियान के प्रभाव पर बात की गई–

भोजनावकाश के पश्चात् सभी साथी वापस प्रशिक्षण कक्ष में एकत्रित हुए।

निगम सर द्वारा एक मनोरंजक गतिविधि करवाई गई तत्पश्चात के.आर.पी. अमित जी के द्वारा बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान व निपुण भारत मिशन NEP व NCF-FS फाऊंडेशनल स्टेज 2022 पर सदन में चर्चा–परिचर्चा की गई तत्पश्चात संदर्शिका के कवर पेज पर चर्चा की गई, इसके बाद अमित जी के द्वारा पंचकोश- **अनन्मय** कोष, प्राणायाम कोष, **मनोमय कोष**, विज्ञान**मय कोष,** आनंद**मय** कोष पर सदन में विस्तार से चर्चा–परिचर्चा की गई, इसके बाद प्रत्येक समूह को मनोरंजन गतिविधि टास्क के रूप में दी गई जिसमें बिना बोले अभिनय के द्वारा गीत संवाद की पहचान करनी थी सभी प्रशिक्षार्थियों ने बहुत ही आनंद में रूप से प्रस्तुतिकरण दिया और साथ ही सभी ने चाय का आनंद लिया।

तत्पश्चात सुगमकर्ता श्री विनोद राणा जी के द्वारा बुनियादी साक्षरता मिशन के निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई जैसे- भाषा शिक्षण क्यों जरूरी है? बच्चों को भाषा क्यों पढ़ाते हैं? भाषा शिक्षण से क्या अपेक्षाएं हैं? आदि बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई तत्पश्चात सुगमकर्ता श्रीमती सुषमा महर जी के द्वारा मौखिक भाषा का विकास बच्चों में कैसे हो? पर विस्तार पूर्वक चर्चा करवाई गई साथ ही भाषा विकास पर प्रत्येक समूह को शीर्षक दिया गया और चार्ट के माध्यम से प्रत्येक समूह द्वारा प्रस्तुतिकरण दिया गया और इसी के साथ ठीक 5:00 बजे सांय प्रथम दिवस के प्रशिक्षण की समापन की घोषणा की गई ।

विकासखण्ड मोरी

द्वितीय दिवस (द्वितीय चक्र) आख्या दिनांकः 23.08.2023

आज दिनांक 23.08.2023 के द्वितीय दिवस के 6 दिवसीय FLN M.T. प्रशिक्षण की शुरुआत मोरी ब्लॉक के द्वारा **ईश वंदना- दया कर दान भक्ति का हमें परमात्मा देना**, **निपुण प्रेरणा गीत तथा निपुण प्रतिज्ञा** के साथ की गई। उसके बाद मोरी ब्लॉक द्वारा प्रथम दिवस की आख्या का वाचन किया गया। उसके बाद सुगमकर्ता श्री विनोद राणा जी द्वारा प्रथम दिवस का रीकैप सेशन करवाया गया। जिसमें सभी प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। उसके बाद भटवाड़ी तथा चिन्यालीसौड़ विकासखण्ड के द्वारा मौखिक भाषा विकास पर **(सुनहरी कहानी)** तथा कविता पर चार्ट के माध्यम से प्रस्तुतीकरण किया गया उसके बाद सुगमकर्ता सुषमा महर जी द्वारा **ध्वनि जागरूकता घटक** पर चर्चा की गई। जिसमें विभिन्न भाषाओं के गानों के माध्यम से ध्वनि पहचान की गतिविधि करवाई गई। इसके बाद मैडम द्वारा I do, we do and you do के माध्यम से सभी ब्लॉकों द्वारा अलग–अलग गतिविधि द्वारा जिसमें चित्रों के माध्यम से प्रथम ध्वनि की पहचान, ध्वनियों को जोड़कर पढ़ना तथा शब्द को ध्वनि के माध्यम से तोड़ना गतिविधि करवाई गई जिसमें सभी विकासखण्डों के प्रतिभागियों द्वारा सक्रिय प्रतिभागी किया गया उसके बाद सदन द्वारा तेज बारिश के साथ चाय और बिस्कुट का आनंद लिया गया।

द्वितीय सत्र की शुरुआत सुगमकर्ता डॉक्टर **जगदीश सिंह** रावत जी द्वारा **वर्ण ज्ञान** पर चार्ट के माध्यम से वर्ण ज्ञान की पहचान, वर्ण की ध्वनि की पहचान, वर्ण को लिखना, वर्ण मात्रा ग्रिड के माध्यम से वर्ण मात्रा ज्ञान तथा वर्णों को जोड़कर शब्द बनाना, शब्द से वाक्य बनाना पढ़ना व लिखना और अक्षर, शब्दों मात्राओं के शुद्ध लेखन पर अलग-अलग गतिविधि के माध्यम से समझाया गया।

उसके बाद सभी प्रतिभागियों द्वारा दिन के भोजन का आनंद लिया गया।

भोजनावकाश के पश्चात् तृतीय सत्र में **बुनियादी साक्षरता के घटक- शब्द भंडार** पर **सुगमकर्ता** विनोद राणा जी द्वारा प्रशिक्षण हॉल के अंदर उपलब्ध दृश्य सामग्री पर सभी प्रतिभागियों को अंग्रेजी वर्णमाला के A to Z नाम को लिखने की गतिविधि करवाई गई सभी प्रतिभागियों द्वारा इसमें प्रतिभाग किया गया उसके बाद राणा जी द्वारा शब्द भंडार का कक्षा-कक्ष में क्या उपयोग है? शब्द भंडार क्यों जरूरी है? इस पर कहानियों, बातचीत के माध्यम से शब्द भंडार की उपयोगिता को समझाया गया। इसी क्रम में राणा जी द्वारा प्रत्येक विकासखण्ड को एक शब्द के तीन अलग–अलग प्रयोग की गतिविधि करवाई गई। इसके बाद सभी प्रतिभागियों द्वारा चाय का आनंद लिया गया

उसके बाद दिवस के अंतिम सत्र में **भाषा के घटक–धारा प्रवाह पठन व समझ** पर सभी विकासखण्डों द्वारा पठन की गतिविधि – मुखर वाचन, साझा पठन, जोड़ों में पठन तथा स्वतंत्र पठन (निर्देशित पठन) पर गतिविधियों के माध्यम से समझाया गया उसके बाद सुगमकर्ता राणा जी द्वारा लिखित सामग्री के विभिन्न स्तर तथ्यात्मक समझ, निष्कर्षात्मक समझ, पाठ से परे की समझ सृजनशीलता स्तर की समझ पर चर्चा परिचर्चा की गई।

अंत में निगम सर जी द्वारा सभी प्रतिभागियों को T.A. बिल देकर सत्र के समापन की घोषणा की गई।

विकासखण्ड– पुरोला

तृतीय दिवस आख्या (द्वितीय चक्र) दिनांकः 24.08.2023

दिनांक 24 अगस्त 2023 के दिन की शुरुवात विकासखण्ड– पुरोला के शिक्षक साथियों के द्वारा प्रर्थना सभा का आयोजन कर प्रारम्भ किया गया। **निपुण गीत– अब जाग जरा और खोल नयन कलियों को देख ले.....। निपुण प्रतिज्ञा द्वारा की गई। पुरोला विकासखण्ड के शिक्षक साथी श्री धनन्जय भट्ट द्वारा द्वितीय दिवस की आख्या का वाचन किया गया। श्री भट्ट जी द्वारा विस्तार से पूर्व दिवस दिनांक** 23 अगस्त 2023 की गतिविधियों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

सुगमकर्ता डॉ0 जगदीश सिंह रावत जी द्वारा बुनियादी साक्षरता के घटक पर सत्र की शुरुवात हुई। इस बीच सुगमकर्ता श्री संदीप निगम द्वारा दिनांक 23 अगस्त 2023 को **चन्द्रयान–3** की चन्द्रमा की सतह पर सफलता पूर्वक अवतरण की खुशी में सभी प्रतिभागियों को लड्डू का वितरण किया गया। तभी पता चला कि भटवाड़ी विकासखण्ड से एम0टी0 प्रशिक्षण में प्रतिभाग कर रहे श्री यशपाल सिंह राणा जी का जन्म दिन है। सभी ने यशपाल सिंह राणा जी को जन्म दिन की बधाई दी। साथ ही चाय बिस्कुट का आनन्द सभी ने लिया।

चाय के पश्चात् सुगमकर्ता डॉ0 जगदीश सिंह रावत जी द्वारा बुनियादी साक्षरता के घटक के अन्तर्गत **लेखन** पर चर्चा को आगे बढ़ाया गया। जिसके अन्तर्गत जनपद के विभिन्न विकासखण्ड़ों से आये शिक्षक साथियों द्वारा अपने–अपने विचारों को सदन में साझा किया। लेखन क्या है? लेखन क्यों जरूरी है? लेखन को कैसे सिखायें? इस पर विस्तार से चर्चा की गई। अंत में एक साझा समझ बनी कि हम सभी शिक्षक साथियों का नैतिक दायित्व है कि हम लोग अपने विद्यालय में अध्ययनरत् सभी छात्र–छात्राओं को लेखन की विधाओं से परिचित कराने का प्रयास करेंगे। सुगमकर्ता डॉ0 जगदीश रावत जी द्वारा जब बच्चा अपनी बात, भावों एवं विचारों को लिखित रूप में प्रकट करता है तो उसे ही लेखन कहा जाता है।

लेखन क्यों जरूरी है? इस पर भी विस्तार से चर्चा–परिचर्चा की गई।

इस घटक का तीसरा और आखिरी जो चर्चा प्रश्न था कि **लेखन कैसे सिखाया जाय?** इस पर सभी शिक्षक साथियों के द्वारा गहनता से चर्चा–परिचर्चा के उपरान्त अपने–अपने विचार सदन में रखे।

अंत में डॉ0 रावत जी द्वारा अपने सत्र का समेकन किया गया।

सुगमकर्ता श्री विनोद राणा जी द्वारा एक गतिविधि जिसमें सभी साथियों को निर्देश दिया गया कि हाथ आगे कीजिये, फिर ताली बजाया उसके बाद गतिविधि को आगे बढ़ाते हुये हंसने–रोने के लिये निर्देशित किया गया। अंत में निर्देश दिया गया कि जो मैं बोलूँगा आपको उसका उल्टा करना है। इस तरह से यह गतिविधि काफी रोचक रही और सभी साथियों द्वारा इसका आनन्द लिया गया।

सुगमकर्ता श्री विनोद राणा जी द्वारा अपने सत्र को प्रारम्भ करने हेतु वातावरण तैयार कर **आकलन** जैसे महत्वपूर्ण प्रकरण पर अपनी बात आगे बढ़ाई तथा आकलन और मूल्यांकन पर अपने–अपने समूह में संवाद होता दिखा, जो बहुत ही सार्थक रहा।

सुगमकर्ता श्री विनोद राणा जी द्वारा **प्रगति एप** पर भी चर्चा की गई। जिस पर सभी शिक्षक साथियों के द्वारा जिज्ञासावश बहुत से प्रश्न किये गये। जिनको श्री राणा जी द्वारा तक निस्तारित करने का प्रयास किया गया।

सुगमकर्ता श्री विनोद राणा जी द्वारा सदन में एक और रोचक गतिविधि– एक हवाई जहाज आसमान में उड़ रहा है, उसमें कुछ लोग यात्रा कर रहे हैं जिसमें किसी विद्यालय के एक प्रधानाध्यापक, एक प्रसिद्ध सर्जन, एक विशेष आवश्यकता वाला बच्चा, एक नवविवाहित जोड़ा, एक कृषि वैज्ञानिक, विपक्ष का नेता और एक कास्ठ कला का विशेषज्ञ भी शामिल था।

अब प्रश्न यह था कि उड़ते हुये हवाई जहाज में कोई तकनीकी खराबी होने का संदेश आया और यह पहले से निर्धारित था कि हवाई जहाज में कुल पॉच ही पैराशूट हैं और हम लोगों को इन यात्रियों में से किन्हीं पॉच लोगों को बचाना था। प्राथमिकता के आधार पर किन पॉच लोगों को बचाया जाय? सभी विकासखण्डों के साथियों ने अपने–अपने समूह में खूब चर्चा–परिचर्चा की। सभी समूहों द्वारा अपनी–अपनी बात रखी गई।

अंत में सुगमकर्ता श्री विनोद राणा जी द्वारा गतिविधि को और अधिक रोचक बनाते हुये अपनी बात रखी कि चलिये चिंता करने की बात नहीं है सभी लोग बच जायेगें, क्योंकि हवाई जहाज

में जो तकनीकी खराबी आई थी उसको ठीक कर लिया गया है। इस प्रकार से यह गतिविधि बहुत रोचक रही।

भोजन पश्चात् सुगमकर्ता श्रीमती सुषमा महर जी द्वारा सत्र को आगे बढ़ाया गया तथा स्कैफोल्डिंग I do, We do, You do के सिद्धान्त के अनुरूप अपनी बात रखी गई। उनके द्वारा सर्वप्रथम स्वयं भाषा के आठों घटकों पर एक समग्र दृष्टिकोण तैयार कर सदन के सम्मुख प्रस्तुत किया गया।

ततपश्चात् सभी शिक्षक साथियों को द्वारा अपने–अपने समूह में समग्र दृष्टिकोण में को तैयार कर सदन के सम्मुख प्रस्तुत किया गया।

अंत में समेकन के साथ सत्र को समाप्त किया गया।

विकासखण्ड– नौगॉव

चतुर्थ दिवस आख्या(द्वितीय चक्र) दिनांक 25.8.2023

डायट बड़कोट में छः दिवसीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण के चतुर्थ दिवस का आरम्भ विकासखण्ड–नौगॉव के शिक्षको द्वारा **तू ही राम है, तू रहीम है। निपुण प्रेरणा गीत– अब देख जरा और खोल नयन कलियों को देख ले, तथा निपुण प्रतिज्ञा से हुआ।** ततपश्चात् श्री सुभाष नौटियाल जी द्वारा पूर्व दिवस की आख्या विस्तार पूर्वक प्रस्तुत की गयी।

सुगमकर्ता डॉ0 जगदीश सिंह रावत जी द्वारा पुनरावृत्ति के माध्यम से **"भाषा सिखाने में मातृभाषा का कितना योगदान होना चाहिए"** इस विषय में चर्चा– परिचर्चा की गई। जिस पर सभी साथी शिक्षकों श्री तेजपाल राणा, श्री खत्री जी, श्री सतीश जी आदि द्वारा अपने विचार रखे गये।

सुगमकर्ता श्री संदीप निगम द्वारा गणित के 6 घटकों– गणितीय संप्रेषण, आकार और स्थानिक समझ, संख्या पूर्व अवधारणा, संख्या और संख्या सम्बन्धी कार्य, डाटा का रख रखाव तथा मापन पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। जिसमें सबसे पहले गणितीय संप्रेषण विषय पर सभी प्रतिभागियों द्वारा अपने–अपने विचार साझा किये गये।

सुगमकर्ता द्वारा गणितीय संक्रियाओं से जुड़ी एक रोचक गतिविधि करायी गयी जिसमें रोचक रूप सें सभी निर्देशित संक्रियाओं के बाद प्राप्त संख्या से बिना बताये व्यक्ति के अलग–अलग भाई बहनों की संख्या बतायी जा सकती है, कराई गई । इसके पश्चात् गणित सत्र के औचित्य व NCF- 2005 में गणित के संदर्भों पर बातचीत हुई। सभी शिक्षक साथियों से गणितीय संप्रेषण के दैनिक जीवन में प्रयोग पर उनके अनुभवों को जाना व समझा गया। कक्षा–कक्ष में गणित को छात्र किन–किन विधियों से सीख सकते हैं, यह भी जानने व अनुभवों को साझा किया गया।

इसके पश्चात् आसब्रेक्रिग एक्टिविटी के द्वारा समझाते हुये सुगमकर्ता द्वारा दो (2) के पहाड़े से बनी एक कविता साझा की गयी जो अवश्य ही छात्रों को पहाड़े याद करने में मददगार होगी।

इसके पश्चात् एक गतिविधि के द्वारा अल्प समय के लिये दिखाये गये IMAGE के माध्यम से प्रत्येक के पैटर्न देखने व उन बिन्दुओं को गिनने के तरीकों पर चर्चा की गयी। बिन्दुओं को देखने से कौन–कौन सी आकृतियॉ बन सकती हैं, उसे कागज पर बनवाया गया। गणित चर्चा पर आगे बढ़ते हुये NEP–2020 के अनुसार गणित शिक्षण के बिन्दुओं पर चर्चा की गयी।

पुनः बाल केन्द्रित शिक्षण को ध्यान में रखते हुये शिक्षक साथियों के साथ

"एक छोटी चिड़िया रही थी पेड़ पर सो, एक और आ गयी हो गई वो दो, छोटी चिड़िया बजा रही थी बीन एक और आ गयी हो गयी वो तीन ....."का हाव भाव के साथ गतिविधि की गई।

समेकन PPT के माध्यम से किया गया।

दूसरे माड्यूल **आकार एवं स्थानिक समझ** पर आकृति आधारित एक गतिविधि की गई जिसमें हॉल में रखी वस्तुओं की सूची बनाने के बाद उन्हें गणितीय आकृति से जोड़ने को कहा गया। छात्रों को आकार, आकृति की समझ, स्थानिक समझ, भार की तुलना करना कैसे सिखाऐं इस हेतु **काल्पनिक गेंद की गतिविधि करायी गई**, जिसमें गेंद की आकृति, आकार को बदल कर प्रतिभागी के पास उछाल कर देना है, कैच करने वाला प्रतिभागी उसी एक्शन के साथ गेंद को पकड़ेगा। पुनः गेंद को अन्य साथी को उछाल कर देगा। गतिविधि के पश्चात् काल्पनिक गेंद की गतिविधि पर चर्चा की गई।

कौन सी गेंद सबसे मजेदार लगी? किस गेंद को पकड़ना आसान लगा। किस गेंद को पकड़ना मुश्किल था? गेंद और कितने प्रकार की हो सकती हैं?

अगली गतिविधि के अन्तर्गत क्ले तथा रंगीन कागज के द्वारा विभिन्न प्रकार की गणितीय आकृतियों का निर्माण समूह में कराया गया।

गणितीय शिक्षण पर चर्चा परिचर्चा को आगे बढ़ाते हुये सभी विकासखण्डों के शिक्षकों द्वारा समूह में कक्षावार पुस्तकों के संदर्भों पर 6Es आधारित शिक्षण योजनाओं निमार्ण तथा प्रस्तुतीकरण किया गया। आकृतियों पर आधारित कविता का वाचन कराया गया।

- सुझाव के अन्तर्गत विभिन्न ज्यामितीय आकृतियों की सहायता एक चित्र बनाया जा सकता है।
- किसी एक ज्यामितीय आकृति के द्वारा पूरा एक चित्र बनाया जा सकता है।

अन्त में सत्र का समेकन किया गया।

सुगमकर्ता श्री अमित शाह जी द्वारा कार्यशाला को आगे बढ़ाते हुये **संख्या पूर्व अवधारणा** पर प्रकाश डाला गया। साथ ही सत्र के उद्देश्य और वर्गीकरणों पर भी समझाया गया। इस बीच सुगमकर्ता श्रीमती सुषमा महर मैडम द्वारा अपनी बेटी के जन्मदिन पर मिष्ठान वितरण किया गया।

सत्र को आगे बढ़ाते हुये अनुक्रम की समझ व संख्या पूर्व अवधारणाओं से सम्बन्धित सीखने के प्रतिफल पर चर्चा–परिचर्चा हुई। सुगमकर्ता द्वारा महत्वपूर्ण स्थानिक मान एवं स्थानिक समझ को चर्चा के द्वारा स्पष्ट करते हुये बच्चों की अवधारणाओं से अवगत कराया गया।

गणितीय संख्या ज्ञान पर चर्चा को आगे बढ़ाते हुये सुगमकर्ता श्रीमती अंजना सजवाण द्वारा गिनने की समझ को शिक्षक साथियों से जानने व तत्पश्चात् स्वयं के द्वारा स्पष्ट किया गया। शिक्षक साथियों से गिनना व गिनती आना में अन्तर पर चर्चा–परिचर्चा हुई। साथ ही PPT के माध्यम से बच्चे को गिनना कब व कैसे सिखायें? इस पर सुगमकर्ता द्वारा प्रकाश डाला गया। शिक्षकों के द्वारा छात्रों में गिनने सम्बन्धी दिक्कतों को भी साझा किया गया।

सुगमकर्ता द्वारा गिनने की ELPS (Experience, Language, Picture & Symbol) विधि को समझाया गया। गिनने की समझ व सिद्धान्तों के बारे में बताया गया। तत्पश्चात् सामान्यतः कक्षा में गिनना सिखाने के तरीकों तथा हम अन्य कौन से तरीके अपना सकते हैं, इस पर विचार रखे गये। इसी के साथ प्रशिक्षण के चतुर्थ दिवस की समाप्ति हुई।

विकासखण्ड–चिन्यालीसौड़

F.L.N. ,M.T. प्रशिक्षण D.I.E.T. बड़कोट (द्वितीय चक्र)

पंचम दिवस आख्या दिनांकः 26.08.2023

डायट बड़कोट में छः दिवसीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण के पंचम दिवस का आरम्भ विकासखण्ड–चिन्यालीसौड़ के शिक्षकों द्वारा **हे शारदे मॉ–हे शारदे मॉ अज्ञानता से हमें तार दे मॉ। निपुण प्रेरणा गीत– अब देख जरा और खोल नयन कलियों को देख ले, तथा निपुण प्रतिज्ञा से हुआ।** ततपश्चात् श्री अरविन्द नेगी जी द्वारा चतुर्थ दिवस की आख्या प्रस्तुत की गयी।

सुगमकर्ता संदीप निगम द्वारा एक गतिविधि कराई गई जिसमें भाई बहनों की संख्या सोंचकर दिये गये निर्देशानुसार जोड़, घटाना, गुणा द्वारा गणना करनी है। भाई बहिनों की संख्या सुगमकर्ता द्वारा बतायी गई। इस सवाल को अच्छे से समझाया। उसके बाद यशपाल जी ने एक सवाल बताया, जिसमें सुगमकर्ता अंजना सजवाण मैडम द्वारा गणितीय प्रतीकों के द्वारा एक गतिविधि कराई गई तथा सदन द्वारा सहमति बनाई गई कि बच्चों में गणित के प्रति रुचि जाग्रत होती है।

सुगमकर्ता द्वारा सभी विकासखण्डों को गिनती और संख्यांक पर एक और गतिविधि की गई जिसमें प्रत्येक विकासखण्ड द्वारा उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर गतिविधि को काफी रोचक बनाया गया। विकासखण्ड–भटवाड़ी ने बच्चों को गिनती और गिनना कैसे सिखायें अपनी गतिविधि के माध्यम से सदन में रखा, विकासखण्ड–पुरोला के शिक्षकों द्वारा हाथी की कविता द्वारा गिनती का प्रस्तुतीकरण किया गया।

विकासखण्ड–नौगॉव के द्वारा खेल के अंकों की पहचान करवाई गई। विकासखण्ड–डुण्डा द्वारा गिनती और संख्या चिन्ह की पहचान चित्रों के माध्यम से सदन में रखी गई। विकासखण्ड–चिन्यालीसौड़ के शिक्षकों के द्वारा फ्लैश कार्ड के द्वारा गिनती की पहचान कराना बताया गया। विकासखड–मोरी के शिक्षकों द्वारा शून्य की पहचान बालगीत के माध्यम से कराई गई। जिससे सदन में शून्य की अवधारणा पर एक मत हुआ। ततपश्चात् सुगमकर्ता संदीप निगम द्वारा **"बोल भाई कितने, आप चाहे जितने"** खेल कराया गया। इस खेल में सभी प्रतिभागियों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। निगमसर ने पूरे सदन के प्रतिभागियों को दो समूह में बॉट

कर **अंक पहचान हेतु खेल कराया गया** तथा अंकों के योग के आधार पर ग्रुप A को विजेता घोषित किया गया।

सुगमकर्ता अमितशाह जी द्वारा व्यक्तित्व के कुछ गुणों को सदन में रखा गया और कहा गया कि एक शिक्षक सब कुछ बदल सकता है। वह हर लक्ष्य को सम्भव बना सकता है। शिक्षक असम्भव को को भी सम्भव कर सकता है।

ततपश्चात् **"दो अंकीय संख्याओं की अवधारणा"** पर बातचीत शुरू की गई। सदन में विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा अपने विचारों को सदन में रखा गया। ततपश्चात् स्क्रीन पर किसी भाषा में कुछ प्रतीक चिन्ह सदन को दिखाये गये, उस पर सदन से सवाल जवाब किया गया। सदन द्वारा प्रतीक चिन्हों का गणितीय शिक्षण में महत्वपूर्ण स्थान है पर सहमति बनी। गणित का हमारे जीवन में विशेष प्रभाव है। सदन में शून्य के बारे में चर्चा पर एक प्रश्न उठा कि जीरो, अंक के पहले होना चाहिए या बाद में, सदन सहमति बनी कि शून्य को 1 से 9 तक की गिनती के बाद ही कक्षा में सिखाया जाना चाहिए।

इसके पश्चात् पुनः सभी प्रतिभागियों को विभिन्न संख्याओं की पर्ची दी गई और एक गतिविधि करवायी गई, जिसमें दो अंक वाले आगे–पीछे अंक थे, **उदाहरण 73, 37** थे। इन दो अंको का मिलान करके जोड़ा बनाना था। इसमें सदन में स्थानीयमान के आधार पर अंकों की पहचान करना समझाया गया तथा इकाई, दहाई की अवधारणा को स्पष्ट किया गया। उसके बाद एक गतिविधि शिक्षण योजना निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण जो विकासखण्डवार किया गया।

सुगमकर्ता अंजना सजवाण मैडम द्वारा बतया गया कि आप गिनमाला के माध्यम से भी इकाई, दहाई के बारे में बच्चों को समझा सकते हैं। इसी प्रकार सभी समूहों ने अपनी–अपनी गतिविधियों को चार्ट व गणित किट के माध्यम से समझाया।

दोपहर भोजन के पश्चात् निगम सर ने एक मनोरंजक गतिविधि कराई। सुगमकर्ता अमित शाह सर ने दो अंकीय संख्याओं का योग से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जिनका उत्तर सदन द्वारा मिला, फिर सत्र का उद्देश्य बताया कि प्रतिभागी समूहीकरण की अवधारणा का उपयोग करके दो अंकों की अवधारणा को स्पष्ट कैसे करें?

सुगमकर्ता अमित शाह जी, विनोद राणा तथा संदीप निगम द्वारा अधिकतम योग पर एक गतिविधि कराई गई, जिसमें एक प्रतिभागी के ऑखों में पट्टी बॉधकर अपने समूह के साथी द्वारा दिये निर्देश के अनुसार जमीन में रखी अंकों की अधिकतम पॉच पर्ची को एक मिनट में उठाना था। जिस समूह में उठाई गई पर्चियों का योग अधिकतम होगा वह समूह विजेता होगा।

गणित किट द्वारा दो अंकीय संख्याओं का योग करना सिखाया गया विशेष रूप से हासिल वाले। सुगमकर्ता अमित शाह जी द्वारा जोड़ की अवधारणा एवं उसके संदर्भों को समझाया, फिर अरुण सेमवाल जी ने **मन की बात** के माध्यम से जोड़ना सिखाया। सुगमकर्ता अंजना सजवाण मेम द्वारा घटाने की अवधारणा के संदर्भ में बताया।

सुगमकर्ता अमित शाह द्वारा सत्र का समेकन किया गया।

अंतिम सत्र में सुगमकर्ता संदीप निगम ने डाटा का रखरखाव कैसे करें? सत्र शुरू किया। बताया गया कि हम कैसे डाटा को रख सकते हैं।

सुगमकर्ता द्वारा एक गतिविधि कराई– **टिम–टिम करते तारे कितने हंसी ये नजारे।**

डाटा के रख–रखाव का औचित्य, उद्देश्य बताये। सभी विकासखण्ड को गतिविधि– अंको को पिक्टोरियल तथा पिक्टोरियल को अंकों में निरूपित कर चार्ट द्वारा प्रस्तुतीकरण कराया गया। अन्त में समेकन के साथ पंचम दिवस का समापन किया गया।

विकासखण्ड– डुण्डा

F.L.N. ,M.T. प्रशिक्षण D.I.E.T. बड़कोट (द्वितीय चक्र)

षष्ठम दिवस आख्या दिनांकः 22.08.2023

आज दिनांक 27.8.2023 F.L.N. प्रशिक्षण के छठे व अन्तिम दिवस की शुरुवात डुण्डा विकासखण्ड के शिक्षकों द्वारा **प्रार्थना–हर देश में तू हर वेश में तू, निपुण गीत– अब देख जरा और खोल नयन कलियों को देख ले, निपुण प्रतिज्ञा द्वारा की गई ।** पंचम दिवस की आख्या श्री चन्दन सिंह कुण्डरा जी द्वारा पढ़ी गई।

सुगमकर्ता अमित शाह जी द्वारा पॉचवें दिन के रीकैप के साथ सभी विकासखण्डों से प्रश्न पूछ कर छठवें दिवस के प्रशिक्षण कार्यक्रम की ओर जोड़ा गया।

सुगमकर्ता संदीप निगम द्वारा विद्यालय सुरक्षा के अन्तर्गत बचाव और सुरक्षा पर चर्चा की गई। छात्र का घर से विद्यालय आना, विद्यालय में तथा विद्यालय से घर तक पहुॅचने में बचाव व सुरक्षा की आवश्यकता होती है। विद्यालय में भी कई स्थानों पर बच्चों की सुरक्षा की जरूरत पड़ती है यथा– पानी के स्थान पर, भोजन बनाने के स्थान, भोजन करने के स्थान, शौचालय, प्रार्थना के समय, खेलने के समय, चहार दिवारी न होने पर/अधूरी होने पर, बिजली के स्विच खुले होने पर, बिजली के तार कटे होने पर, धारदार/नुकीली चीजें होने पर, आग, कॉच की टूटी चीजे होंने पर, फर्नीचर के टूटे होने पर, विद्यालय परिसर में बिजली के खम्भे होने पर आदि।

विद्यालय में स्वास्थ्य और स्वच्छता– शारीरिक स्वास्थ्य, सामाजिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्वास्थ्य।

सुगमकर्ता विनोद राणा जी द्वारा Wash

(WA- Water, S- Sanitisation, H- Higiene) की जानकारी दी गई।

मनोसामाजिक पहलू– सत्र के उद्देश्य औचित्य के साथ–साथ पाठ्यचर्या के निरूपण और आदान–प्रदान में बच्चों की भागीदारी किस रूप में दिखती है?

शिक्षार्थी–शिक्षार्थियों के आपसी सम्बन्ध कैसे? शिक्षक–शिक्षार्थियों के बीच सम्बन्ध कैसे?

सामाजिक अस्मिताओं–जाति, लिंग, धर्म, क्षेत्रीयता, वर्ग, भाषा, भेदभाव या शोषण दिखते है?

विद्यालयी प्रक्रियाऐं– भय और दण्ड पर विचार, आपके सम्बोधन किस तरह के है?

प्रार्थना सभा को समावेशी कैसे बनाया जाय? M.D.M के समय सहयोग की भावना कैसे? विद्यालयी वातावरण को भयमुक्त कैसे बनाया जा सकता है?

शिक्षकों/प्रधानाध्यापकों के उत्तरदायित्व एवं निगरानी तथा अभिभावकों, समुदाय, S.M.C. के सहयोग पर चर्चा हुई।

विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत थाना बड़कोट से श्री संतोष सिंह कुंवर (SHO), फायर टीम से श्री सूरज चौहान अपनी पूरी टीम के साथ उपस्थित हुये।

श्री संतोष सिंह कुंवर (SHO) द्वारा युवाओं में फैली नशे की कुरीति पर किस प्रकार समाज को जागरूक किया जाय तथा शिक्षकों द्वारा समाज का निर्माण किया जाता है तथा शिक्षकों को आगामी विकासखण्ड प्रशिक्षणों में नशे व मोबाइल की कुरीति पर प्रशिक्षण प्रदान कर समाज व युवाओं को इन कुरीतियों से बचाना है। इस बात की ओर जोर दिया कि युवाओं को अच्छी संगत अपनानी चाहिये जिससे युवाओं को समाज में व्याप्त बुराइयों से बचाया जाय। **जीवन में सफलता के तीन मंत्र– अच्छा स्वास्थ्य, दृढ़ इच्छा शक्ति व ईमानदारी के साथ–साथ अपने जीवन के अनुभवों को सदन के साथ साझा किया।** पुलिस की कार्यप्रणाली एवं पुलिस के सामने आ रही चुनौतियों से सभी को रू–बरू कराया। ट्राफिक के नियम के अन्तर्गत उनका पालन करना, दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करना। कार चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करना। पहाड़ी रास्तों पर होने वाली दुर्घटनाओं से कैसे बचे? ड्राइविंग लाइसेंस कैसे बनता है? चालान कब किया जाता है? आदि शिक्षकों की जिज्ञासा को शान्त किया गया।

श्री सूरज चौहान फायर आफीसर विद्यालयों में आग से होने वाली दुर्घटनाओं से उनसे कैसे बचे? पर जानकारी दी गई। आग हमारा मित्र भी है और शत्रु भी। हमें अग्नि के प्रति सजग रहकर आग को अपने नियंत्रण में रखना होगा। आग बुझाने वाले यन्त्र प्रत्येक विद्यायलों में होना चाहिये। अग्निशामक यन्त्र को कैसे प्रयोग करें? प्रयोग करके दिखाया गया। आग लगने के समय हमें स्नायु पर नियंत्रण रखना चाहिए एवं इस पर नियंत्रण करने के लिये बुद्धि एवं विवेक का प्रयाग करना चाहिये। यह बहुत ही उपयोगी जानकारी रही। सिलेण्डरों में लगी आग को किस–किस तरह से बुझाया जा सकता है। आग की कैटेगिरी को कितने प्रकार

से विभाजित किया जा सकता है, इस पर विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही लंच की घोषणा हुई।

लंच के बाद सुगमकर्ता अमित शाह जी द्वारा **मापन की जानकारी दी गई। मापन को जीवन में किस प्रकार प्रयोग** किया जा सकता है? मापन की क्या उपयोगिता है? मानक व अमानक के बीच अन्तर को बखूबी से समझाया गया। मापन की पुरानी पद्धति पर चर्चा हुई।

समेकन के साथ मापन के सत्र की समाप्ति हुई।

सुगमकर्ता संदीप निगम द्वारा **स्लोगन–निपुण भारत का सपना होगा लक्षित, विद्यालय में बच्चा जब होगा सुरक्षित।**

स्कूल सुरक्षा गीत – स्कूल हमारा होगा सुरक्षित..... का अभ्यास कराया गया।

स्वच्छता प्रतिज्ञा करवाई गई।

ऑन लाइन पोस्ट टेस्ट लिया गया।

इसके पश्चात् सुगमकर्ता संदीप निगम द्वारा विकासखण्ड स्तर पर प्रशिक्षण के दौरान किन–किन बिन्दुओं को ध्यान में रखना है तथा किस प्रकार से प्रशिक्षण को प्रभावी बनाया जाय, सुझाव दिये गये। साथ ही फीड बैक भी लिये गये।

सभी एम0टी0 शिक्षकों को प्रमाण–पत्र वितरित किये गये।

प्रशिक्षण की समाप्ति की घोषणा की गई।

विकासखण्ड– भटवाड़ी

जनपद स्तरीय FLN तथा विद्यालयी सुरक्षा एम0टी0 प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने वाले शिक्षकों की सूची द्वितीय चक्र दिनांक (22–27 अगस्त 2023)

क्र.सं.	नाम शिक्षक	पद	विषय	विद्यालय	विकासखण्ड
1.	यशपाल सिंह राणा	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. कोटियालगॉव	भटवाड़ी
2.	उत्तम सिंह राणा	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. हीना	
3.	शैलेन्द्र प्रसाद अवस्थी	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. क्याणगॉव	
4.	संगीता जोशी	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. लाटा	
5.	राजीव कुमार सेमवाल	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. मनेरी	
6.	सुरेन्द्र दत्त नौटियाल	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. मैनोल	डुण्डा
7.	ज्योत्सना जोशी	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. घिटिया	
8.	नंदा पंवार	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. मिश्रगॉव	
9.	पंकज पडियार	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. कोटिभाटगॉव	
10.	मुकेश चन्द रमोला	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. चमरोली	
11.	चन्दन सिंह कुण्डरा	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. वीरपुर कुराह	
12.	अरविन्द सिंह नेगी	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. बणगॉव	चिन्यालीसौड़
13.	मुकुन्द लाल नौटियाल	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. कोट	
14.	दीप चन्द पंवार	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. पीपलखंडा	
15.	दिनेश प्रसाद बिजल्वाण	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. पुजारगॉव	
16.	तेजपाल सिंह	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. बनोट	
17.	सुशील चन्द्र शाह	स.अ.	गणित	रा.आ.प्रा.वि. बड़ेथी	
18.	सुभाष चन्द्र	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. हलना	नौगॉव
19.	मनोज कुमार	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. बडोगी	
20.	मनोज कुमार	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. पौन्टी उपला	
21.	अंकिज गुसॉई	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. कसलाना	
22.	राजेन्द्र सिंह असवाल	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. नगांणगॉव	
23.	धन्नजय भट्ट	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. सांखाल	पुरोला
24.	किशोर कुमार	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. खड़क्यासेम	
25.	सुरेन्द्र चौहान	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. कंडियालगॉव	
26.	राकेश खत्री	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. बेस्टी	
27.	गणेश रतूड़ी	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. छाड़ा	
28.	अरुण सेमवाल	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. समाधिमठ	
29.	अजीत सिंह चौहान	प्र.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. किराणू	मोरी
30.	चमन सिंह चौहान	प्र.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. मैजणी	
31.	दिनेश प्रसाद	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. बिंगसारी	
32.	राजेन्द्र जोशी	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. खन्यासणी	

33.	गणेश दत्त अवस्थी	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि.सटूड़ी	**मोरी**
34.	बिरेन्द्र दास आर्य	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि.सट्टा	
35.	हरिदास	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि.तितराला	
36.	अवनीश कुमार	स.अ.	गणित	रा.प्रा.वि. ओसला	

के0आर0पी0 विवरण

क.सं.	नाम	पद	विषय	विद्यालय/संस्थान	विकासखण्ड
1.	श्री अमित शाह	स.अ.	गणित	रा.आ.प्रा.वि. कफनौल	**नौगॉव**
2.	श्री विनोद सिंह राणा	स.अ.	हिन्दी	रा.प्रा.वि. सिंगुणी	
3.	श्री जगदीश सिंह रावत	स.अ.	हिन्दी	रा.आ.प्रा.वि. बड़कोट	
4.	श्रीमती सुषमा महर	प्रवक्ता	हिन्दी	डायट बड़कोट	
5.	श्रीमती अंजना सजवाण	प्रवक्ता	गणित	डायट बड़कोट	
6.	श्री संदीप निगम	प्रवक्ता	गणित	डायट बड़कोट	

समय सारिणी							
6 दिवसीय सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण (दिनांक 22 अगस्त से 217 अगस्त 2023)							
बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान (FLN) तथा विद्यालय सुरक्षा							
दिवस/सत्र	**प्रथम** (समय- 10:00 से 11:30 am)	चाय अन्तराल (समय- 11:30 से 11:50 am)	**द्वितीय** (समय- 11:50 से 01:20 pm)	भोजन अन्तराल (समय- 01:20 से 01:50 pm)	**तृतीय** (समय- 01:50 से 03:20 pm)	चाय अन्तराल (समय- 03:20 से 03:40 pm)	**चतुर्थ** (समय- 03:40 से 05:00 pm)
प्रथम	उद्घाटन, परिचय, प्री-टेस्ट		NEP,निपुण भारत, FLN और SCF-FS		बुनियादी साक्षरता : समग्रता में, FLN अधिगम सामग्री का परिचय		मौखिक भाषा विकास
द्वितीय	रिकैप, ध्वनि जागरूकता,		वर्ण ज्ञान		शब्द भण्डार, धाराप्रवाह		समझ, लेखन
तृतीय	रिकैप, कक्षा आकलन स्वतंत्र पठन एवं पुस्तकालय की अवधारणा (continue)		....स्वतंत्र पठन एवं पुस्तकालय की अवधारणा		सन्दर्भ दाता द्वारा समग्रता में भाषा कालांश का प्रदर्शन		छोटे समूहों द्वारा समग्रता में भाषा कालांश का प्रदर्शन
चतुर्थ	रिकैप, गणितीय संप्रेषण		आकार एवं स्थानिक समझ		संख्या पूर्व अवधारणा		अंको की समझ, दो अंकीय संख्याओं का योग
पंचम	रिकैप,दो अंकीय संख्याओं का योग		संबोध - घटाव		डाटा का रख रखाव		मापन की समझ
षष्ट	रिकैप, विद्यालयी सुरक्षा : एक परिचय, बच्चों के सन्दर्भ में विद्यालय की आधारभूत संरचना सम्बन्धी खतरे और उनसे बचाव		विद्यालय में स्वास्थ्य और स्वच्छता		विद्यालय सुरक्षा : मनो- सामाजिक पहलू		विद्यालय सुरक्षा : शिक्षकों/ संस्थाध्यक्षों के उत्तरदायित्व एवं मॉनिटरिंग